पधारिये ! अवश्य पधारिये !! | !! श्री वीतरागाय नमः !! | तत्त्वज्ञान का अपूर्व लाभ लीजिये !!

आत्मज्ञान ही ज्ञान है, शेष सभी अज्ञान।
आत्म शान्ति का मूल है, वीतराग-विज्ञान।।

आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी की 125वीं जन्मजयंती के विशेष अवसर पर देश की राजधानी दिल्ली में प्रथमबार पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर द्वारा संचालित एवं इन्द्रप्रस्थ धर्मांचल शिक्षण प्रशिक्षण शिविर समिति दिल्ली (अन्तर्गत दि. जैन कुन्दकुन्द कहान परमागम मंदिर ट्रस्ट विश्वास नगर दिल्ली) द्वारा आयोजित

48वाँ वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर

रविवार, दिनांक 18 मई 2014 से बुधवार, दिनांक 4 जून, 2014 तक

आचार्य कुन्दकुन्ददेव

आमंत्रण पत्रिका

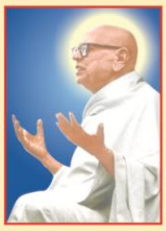

आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी

अध्यात्मप्रेमी बन्धुवर,

सादर जयजिनेन्द्र एवं शुद्धात्मसत्कार !

आपको यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता होगी कि आध्यात्मिकसत्पुरुष श्री कानजीस्वामी के सदुपदेश से संस्थापित पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर द्वारा संचालित 48वाँ श्री वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी के 125वें जन्मजयंती वर्ष के उपलक्ष्य में इस वर्ष दिल्ली में रविवार, दिनांक 18 मई 2014 से बुधवार, दिनांक 4 जून, 2014 तक अनेकानेक मांगलिक कार्यक्रमों सहित आयोजित होने जा रहा है।

जिनधर्म प्रभावना का यह एक महान लोकोत्तर अनुष्ठान है कि जिसमें कोमलमति बालकों एवं युवाओं को जैनधर्म के मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान कराया जायेगा एवं प्रशिक्षणार्थियों को सुयोग्य प्रशिक्षकों द्वारा इस तात्त्विक विद्या को जन-जन तक पहुँचाने की कला की प्रयोगात्मक पद्धति और मनोवैज्ञानिक शिक्षण विधियाँ सिखाई जायेंगी एवं इसका प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। शिविर में विद्वानों के प्रवचनों, व्याख्यानमाला एवं प्रौढ कक्षाओं का भी आयोजन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त नन्हे-मुन्ने बालकों के लिए डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया मुम्बई द्वारा विशेष बाल कक्षाएँ भी आयोजित होंगी।

इस अवसर पर देश-विदेश में ख्यातिप्राप्त तार्किक विद्वान डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर, पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल जयपुर, ब्र.यशपालजी जैन जयपुर, ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली, पण्डित ज्ञानचन्दजी सोनागिरी, ब्र. सुमतप्रकाशजी खनियांधाना, पण्डित अभयजी शास्त्री देवलाली, पण्डित राजेन्द्रजी जैन जबलपुर, पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील जयपुर, पण्डित अशोकजी लुहाडिया मंगलायतन, पण्डित शैलेषभाई शाह तलोद, डॉ. संजीवजी गोधा जयपुर, पण्डित संजयजी शास्त्री मंगलायतन तथा दिल्ली के स्थानीय विद्वत्गण इत्यादि अनेक विद्वानों के प्रवचनों, प्रौढ कक्षाओं, व्याख्यानमाला, तत्त्वचर्चा आदि के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा।

शिविर में मुम्बई से सर्वश्री कान्तिभाई मोटानी, ब्रजलालजी हताया, रमेशचंदजी जैन, मंगलायतन से स्वप्निलजी जैन, दाहोद से निहालभाई, चन्द्रेशभाई, निलेशभाई भूता, बड़ौदा से कौशल शिरीषभाई लखानी, राकेशजी जैन, जसवंतजी कोटडिया, खतौली से मनीष जैन, नेमचंदजी जैन, कल्पेन्द्रजी जैन, नरेन्द्रकुमारजी जैन सर्राफ, मेरठ से मुकेश जैन, सौरभ जैन, जीवेन्द्रजी जैन गाजियाबाद, पण्डित धनराजजी अमीनगर सराय, सुनीलजी शास्त्री ग्वालियर, दिलीपभाई शाह जयपुर, चम्पालालजी भण्डारी बैंगलोर, भरतभाई शेठ राजकोट, नरेशजी जैन पानीपत, श्रीमती वीना जैन देहरादून, सहारनपुर से राजकुमारजी जैन, ऋषभजी जैन, दिल्ली से साहू अखिलेशजी जैन (मैनेजिंग डायरेक्टर-भारतीय ज्ञानपीठ), स्वदेशभूषणजी (कार्यकारी अध्यक्ष-पंजाब केसरी), राकेशजी जैन (अध्यक्ष-जैन समाज, यमुनापार), मा. हरीशचंदजी (पूर्व उपमहापौर), पृथ्वीचंदजी जैन, श्रीरामजी जैन, आदीशजी जैन, श्रीमती सुमन गुप्ता (पूर्व निगम पार्षद), महेन्द्रजी जैन (पूर्व निगम पार्षद), डॉ. श्यामसुन्दरजी अग्रवाल, मदनलालजी जैन, रमेशचंदजी जैन, सत्येन्द्रजी जैन, विजेन्द्रजी जैन, सुभाषजी जैन, धनकुमारजी जैन, धनकुमारजी जैन (मोन्टेक्स पेन) इत्यादि महानुभाव पधार रहे हैं।

शिविरकी प्रशिक्षण कक्षाओं का संचालन पण्डित कमलचन्दजी जैन पिडावा करेंगे तथा सम्पूर्ण शिविर ब्र. यशपालजी जैन, श्री परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल एवं पण्डित पीयूषजी शास्त्री जयपुर के कुशल निर्देशन में सम्पन्न होगा।

तत्त्वज्ञान अर्जित करने के इस अपूर्व अनुपम अवसर पर सपरिवार इष्ट-मित्रों सहित पधारकर धर्मलाभ लेने हेतु आपको हमारा वात्सल्यपूर्ण हार्दिक आमंत्रण है।

ध्वजारोहण एवं शिविर उद्घाटन समारोह

रविवार, दिनांक 18 मई 2014, प्रातः 8:00 बजे से

ध्वजारोहणकर्त्ता : श्री रघुनाथ सहाय सुमतप्रसाद जैन परिवार (धनीरा वाले), दिल्ली
शिविर उद्घाटनकर्त्ता : श्री मनोज जैन प्रधान भोपाल
प्रवचन मण्डप
उद्घाटनकर्त्ता : श्री प्रेमचंदजी बजाज, कोटा
मंच उद्घाटनकर्त्ता : श्री अजितजी जैन बड़ौदा
अध्यक्ष : श्री अजितप्रसादजी जैन, दिल्ली
स्वागताध्यक्ष : श्री के.के. जैन, सूरजमल विहार, दिल्ली
विशिष्ट मुख्य अतिथि : श्री प्रदीपजी जैन 'आदित्य' (ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, भा.सरकार)
मुख्य अतिथि : श्री पंकजजी जैन आई.ए.एस. (सेक्रेटरी-भारत सरकार)
विशिष्ट अतिथि : डॉ. हर्षवर्धन, श्री संदीपजी दीक्षित, श्री चौ. साहिबसिंह (धार्मिक सलाहकार मंत्री-उ.प्र.), श्री जितेन्द्रसिंह शंटी विधायक, श्री जितेन्द्रजी महाजन विधायक, श्री सत्येन्द्रजी जैन विधायक, श्री रामनारायणजी दुबे (महापौर पूर्वी दिल्ली), श्रीमती सिम्मी जैन- श्रीमती स्वाति गुप्ता-बहिन प्रीति (निगम पार्षद)

चित्र अनावरणकर्त्ता -
महावीर भगवान : श्री सौरभजी शास्त्री संतोष ग्लास वर्क्स, फिरोजाबाद
कुन्दकुन्दाचार्य : श्री सेठ गुलाबचंदजी जैन सुभाष ट्रान्सपोर्ट, सागर
अमृतचन्द्राचार्य : श्री अनिलकुमार कपूरचंदजी डैडी, भोपाल
पण्डित टोडरमलजी : श्री मुकेशजी जैन (डाईडीप), इन्दौर
गुरुदेवश्री कानजीस्वामी : श्री ध्रुवेशजी शाह, अहमदाबाद

विधान के मुख्य आमंत्रणकर्त्ता - • श्री बजसेन शोभित जैन परिवार विश्वासनगर

विधान के आमंत्रणकर्त्ता - • श्री सुभाष जैन वकीलचंद जैन, नांगलोई दिल्ली
• श्री सुनील जैन विवेक जैन, विश्वास नगर, दिल्ली • श्री धीरज जैन अतुल जैन दिल्ली
• श्री सचिन्द्र जैन अमित जैन, दिल्ली

विधान के सह-आमंत्रणकर्त्ता - • श्री जयपाल जैन मुकेश जैन दरीवां दिल्ली
• श्री प्रवीण जैन राकेश जैन खेकड़ा • श्री वीरेन्द्र जैन निर्मला जैन शिवाजी पार्क, दिल्ली
• श्री आनंद जैन वीना जैन ज्योति कॉलोनी, दिल्ली

विधान-मंडप के उद्घाटनकर्त्ता -
श्रीमती अनीता जैन संजय जैन आनंद विहार, दिल्ली

जिनवाणी विराजमानकर्त्ता - • श्री अशोककुमार विजयकुमार बड़जात्या इन्दौर
• श्री शान्तिलाल चौधरी, भीलवाड़ा • श्री विनय जैन पल्लवपुरम्, मेरठ
• श्री अतुल जैन पल्लवपुरम्, मेरठ • श्री नरेन्द्र जैन पल्लवपुरम्, मेरठ

शिविर के स्थायी संरक्षक

• श्री ऋषभायतन अध्यात्मधाम अन्तर्गत श्री वीतराग-विज्ञान स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट, अजमेर
• श्री सुनीलकुमार हजारीलालजी जैन, सरोज स्टील, कोचीन (केरल)
• श्री रतनचंदजी नेमिचंदजी पहाड़िया, पीसांगन (राज.)
• श्रीमती मंजुलाबेन कविन सी. पारीख, मुम्बई

विशेष अनुरोध

श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय हेतु छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया भी इसी शिविर में पूर्ण की जाती है, अतः महाविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक छात्र शिविर में दिल्ली अवश्य पहुँचें।

जो महानुभाव शिविर में दिल्ली पधार रहे हैं, वे अपने आगमन की पूर्व सूचना 1 मई तक जयपुर कार्यालय को अवश्य भेजें, ताकि उनके आवास की समुचित व्यवस्था की जा सके।

दैनिक कार्यक्रम

प्रातः	5.15 से 5.30	मंगल जागरण
	5.30 से 6.20	प्रौढकक्षा
	6.20 से 7.00	जी-जागरण पर डॉ. भारिल्ल के प्रवचन-प्रसारण
	7.00 से 7.45	नित्य नियम पूजन एवं 24 तीर्थंकर विधान
	7.00 से 8.15	प्रशिक्षण कक्षायें (सैद्धांतिक)
	8.15 से 9.15	प्रवचन : डॉ. भारिल्ल (47 शक्तियों पर)
	9.15 से 10.00	सी.डी. प्रवचन : आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी (छहढाला-तीसरी ढाल)
	10.15 से 11.15	प्रौढ कक्षाएँ
दोपहर	2.00 से 3.30	अभ्यास कक्षाएँ
	2.00 से 2.45	व्याख्यानमाला (विशिष्ट विद्वानों द्वारा)
	2.45 से 3.45	प्रौढ कक्षाएँ
	4.00 से 5.30	प्रशिक्षण कक्षाएँ (शिक्षण पद्धति)
सायं	6.15 से 7.00	प्रौढकक्षा एवं बालकक्षा
	7.00 से 7.20	जिनेन्द्र भक्ति (सामूहिक)
रात्रि	7.30 से 8.15	प्रथम प्रवचन (विशिष्ट विद्वानों द्वारा)
	8.30 से 9.30	द्वितीय प्रवचन : ब्र. सुमतप्रकाशजी खनियांधाना
	9.30 से 10.00	आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी की 125वीं जन्मजयन्ती वर्ष से संबंधित कार्यक्रम

शिविर के मुख्य आमंत्रणकर्त्ता -

पं.राजकिशोर मंगलसेन अनुभव जैन परिवार विश्वास नगर, दिल्ली

शिविर के आमंत्रणकर्त्ता - • श्री जिनेन्द्रकुमार मनीषकुमार जैन परिवार (खतौली वाले) दिल्ली • श्री राजीव जैन कृष्णानगर, दिल्ली

शिविर के सह-आमंत्रणकर्त्ता - • श्री वकीलचंद सुशीलकुमार जैन सूरजमल विहार, दिल्ली • श्री वीरेन्द्र जैन राजीव जैन विकास जैन परिवार योजना विहार, दिल्ली

परम शिरोमणि संरक्षक - श्री अमितजी जैन

शिरोमणि संरक्षक - • श्री अजितप्रसादजी जैन, दिल्ली • श्री विमलकुमारजी जैन, दिल्ली

संरक्षक - • श्री पद्मप्रसाद जैन पहाड़ी धीरज • श्री त्रिलोकचंद जैन भारतनगर
• श्री चक्रेश जैन बिजली वाले (अध्यक्ष-दि. जैन समाज दिल्ली)
• श्री नरेशकुमारजी लुहाड़िया, दिल्ली • श्री नरेन्द्र जैन बाहुबली एन्क्लेव
• श्री प्रदीपजी चौधरी, किशनगढ

परम शिरोमणि सहायक - • श्री सुमतिकुमार सेठिया दिल्ली
• श्री नरेन्द्र जैन ज्योति नगर, दिल्ली • श्री विनयजी जैन पटपडगंज, दिल्ली

शिरोमणि सहायक - • श्री अशोक जैन शास्त्री गली, दिल्ली

पत्रिका सौजन्य : श्री कैलाशजी जैन (मनोनीत निगम पार्षद-पूर्वी दिल्ली)

अ. भा. जैन युवा फैडरेशन का 37वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

शनिवार, दिनांक 24 मई 2014, रात्रि 7.30 बजे से

अध्यक्ष : श्री विपुल कान्तिभाई मोटानी, मुम्बई
मुख्य अतिथि : श्री विमलकुमारजी जैन नीरू केमिकल्स, दिल्ली
विशिष्ट अतिथि : श्री पी.के. जैन, रूड़की

गुरुदेवश्री कानजीस्वामी की 125वीं जन्मजयन्ती समारोह

रविवार, दिनांक 25 मई 2014, प्रातः 9.15 बजे से

पण्डित टोडरमल स्नातक परिषद का सम्मेलन

रविवार, दिनांक 25 मई 2014, रात्रि 7.30 बजे से

अध्यक्ष : पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री, देवलाली
मुख्य अतिथि : पण्डित शिखरचंदजी विदिशा
विशिष्ट अतिथि : पण्डित प्रदीपकुमारजी झांझरी, उज्जैन

अ.भा. दि. जैन विद्वत्परिषद् एवं पण्डित टोडरमल स्नातक परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित विद्वत्संगोष्ठी

दिनांक 24 से 26 मई 2014 तक, दोपहर 2.00 बजे से

विषय : क्रमबद्धपर्याय
संयोजक : पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील, जयपुर

प्रशिक्षणार्थी सम्मेलन

मंगलवार, दिनांक 3 जून 2014, रात्रि 8.00 बजे से

दीक्षान्त एवं समापन समारोह

बुधवार, दिनांक 4 जून 2014, प्रातः 9.15 बजे से

अध्यक्ष : श्री बसंतभाई दोशी, मुम्बई
मुख्य अतिथि : जैन बहादुर जैन, कानपुर
विशिष्ट अतिथि : श्री आदिनाथजी नखाते, नागपुर

कार्यक्रम स्थल

मुखर्जी सीनियर सै. स्कूल, पी एण्ड एल पॉकेट, टिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095

सम्पर्क सूत्र

इन्द्रप्रस्थ धर्मांचल शिक्षण प्रशिक्षण शिविर समिति दिल्ली,
2/76, भीमगली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 9350222646 (अध्यक्ष-मंगलसेन जैन), 9582883020 (महामंत्री-बजसेन जैन), 9312558753 (मु.संयोजक-प्रमोद जैन बड़ौत वाले), 9818459105 (मंत्री-विवेक जैन शास्त्री)
Email-kundkundtrust@gmail.com
website : www.kundkundtrust.com; www.kundkundtrust.org

सहयोगी संस्था - अ.भा.जैन युवा फैडरेशन, शाखा-विश्वासनगर

निवेदक

श्री दिग. जैन कुन्दकुन्द-कहान परमागम मन्दिर ट्रस्ट, विश्वासनगर

नोट : (1) बालबोध प्रशिक्षण में प्रवेश पाने के लिए बालबोध पाठमाला भाग-1,2,3 की तथा प्रवेशिका प्रशिक्षण में प्रवेश पाने के लिए वीतराग-विज्ञान पाठमाला भाग-1,2,3 की प्रवेश प्रतियोगिता लिखित परीक्षा दिनांक 18 मई को दोपहर 2.00 बजे से ली जावेगी, जिसमें प्रथम श्रेणी के अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। अतः प्रवेशार्थी उक्त पुस्तकों की पूरी तैयारी करके आएं। प्रवेशिका प्रशिक्षण में उन्हें ही प्रवेश दिया जायेगा, जो बालबोध प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। (2) सभी प्रशिक्षणार्थी एवं शिविरार्थी अपना पासपोर्ट साइज फोटो एवं परिचय-पत्र साथ में अवश्य लायें।

वीतराग-विज्ञान ही, तीन लोक में सार।
वीतराग-विज्ञान का, घर-घर होय प्रसार।।

कृपया शिविर की इस आमंत्रण पत्रिका को मंदिरजी या सब देख सकें ऐसे सार्वजनिक स्थान पर अवश्य लगा देवें।